कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (KVNP)** को प्राकृतिक धरोहर श्रेणी के अंतर्गत विश्व धरोहर स्थलों की अपनी संभावित सूची में शामिल किया है।

मुख्य बिंदु

- **यूनेस्को की अनंतिम सूची में शामिल:**
  - राज्य के मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए जैवविविधता संरक्षण**, जनजातीय संस्कृति संवर्द्धन और** इको-पर्यटन **में KVNP की भूमिका पर प्रकाश डाला।**
  - उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि **वैश्विक मान्यता से पर्यटन को** बढ़ावा मिलेगा तथा बस्तर और छत्तीसगढ़ को प्रतिष्ठा मिलेगी।
- **यूनेस्को मानदंड:**
  - KVNP ने तीन महत्त्वपूर्ण मानदंडों के आधार पर यूनेस्को सूची के लिये अर्हता प्राप्त की:
    - **प्राकृतिक सौंदर्य** - परिदृश्य, झरने और घाटियाँ।
    - **भूवैज्ञानिक महत्त्व** - अद्वितीय चट्टान संरचनाएँ और **चूना पत्थर** की गुफाएँ।
    - **जैवविविधता** - दुर्लभ प्रजातियों सहित समृद्ध वनस्पति और जीव।
- **प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया:**
  - **राष्ट्रीय उद्यान** के प्रबंधन ने **संस्कृति मंत्रालय** के अंतर्गत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) **को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप यूनेस्को ने KVNP को अस्थायी सूची में शामिल करने का निर्णय लिया।**

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

- **स्थिति:**
  - यह छत्तीसगढ़ के **बस्तर ज़िले** के जगदलपुर में गोदावरी नदी **की सहायक नदी खोलाबा** के तट पर स्थित है।
  - इसका नाम **कांगेर नदी** के नाम पर रखा गया है, जो इसके मध्य से बहती है।
  - इसे वर्ष **1982 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।**
  - संपूर्ण उद्यान एक **कोर क्षेत्र है, जिसमें कोई बफर जोन नहीं है।**
- **स्थलाकृति:**
  - **इसमें पठार, घाटियाँ, खड़ी ढलानें और जलधाराएँ** सहित विविध परिदृश्य मौजूद हैं ।
  - इसमें तीन प्रसिद्ध चूना पत्थर की गुफाएँ हैं - **कुटुमबसर, कैलाश और दंडक - जो** स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स के लिये प्रसिद्ध हैं ।
    - **स्टैलेक्टाइट** एक हिमखंड के आकार की संरचना है जो गुफा की छत से लटकती है और गुफा की छत से टपकने वाले पानी से **खनिजों के अवक्षेपण से बनती है। अधिकांश स्टैलेक्टाइट्स के सिरे नुकीले होते हैं।**
    - **स्टैलेग्माइट खनिज जमा का ऊपर की ओर बढ़ता हुआ टीला** है जो गुफा के तल पर टपकने वाले पानी से बना है। ज़्यादातर स्टैलेग्माइट्स के **सिरे गोल या चपटे होते हैं।**
  - यहाँ **तीरथगढ़ जलप्रपात स्थित है**, जो एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है तथा यहाँ बड़ी संख्या में **जनजातीय लोग रहते हैं।**
  - इसमें **ड्रिपस्टोन और फ्लोस्टोन संरचनाओं के साथ भूमिगत चूना पत्थर की गुफाएँ हैं।**
- **वनस्पति:**
  - मिश्रित आर्द्र पर्णपाती वनों **की विशेषता है।**
  - प्रचुर मात्रा में पेड़ प्रजातियों में साल, सागौन, सागौन **और** बाँस **शामिल हैं ।**
- **जीव-जंतु:**
  - **प्रमुख स्तनधारी: बाघ**, चूहा हरिण, तेंदुआ, **जंगली बिल्ली, सांभर**, चीतल, भौंकने वाला हरिण, लंगूर, सियार, रीसस मकाक और उड़ने वाली गिलहरी।
  - **वायवीय जीवसमूह:** सामान्य पहाड़ी मैना, लाल जंगली मुर्गी, **चित्तीदार उल्लू,** रैकेट-पूंछ वाले ड्रोंगो और तोते।

- **यूनेस्को की संभावित सूची**
  - यूनेस्को की अस्थायी सूची उन **संपत्तियों की सूची है, जिन पर प्रत्येक राज्य पक्ष नामांकन के लिये विचार करना चाहता है।**
    - **यूनेस्को** के परिचालन दिशानिर्देश, 2019 के अनुसार, किसी भी स्मारक/स्थल को अंतिम नामांकन डोजियर के लिये **विचार किये जाने से पहले एक वर्ष के लिये अनंतिम सूची में रखना अनिवार्य है।**
    - नामांकन हो जाने के बाद इसे **विश्व धरोहर केंद्र (WHC) को भेज दिया जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kanger-ghati-national-park-2